MASTER OF ARTS (POLITICAL SCIENCE) (MPS)

Term-End Examination December, 2024

MPSE-003: WESTERN POLITICAL THOUGHT (From Plato to Marx)

Most Important Previous Year Questions with Answers

PART-2

Scholarly Minds

1. Discuss Plato's views on the Ideal State. What qualities does Plato suggest for the ruling class?

Plato's Views on the Ideal State

Plato's concept of the ideal state is outlined in his work *The Republic*. According to him, an ideal state is one where justice prevails, and each class performs its proper role for the good of society. He believes the state should be divided into three classes: rulers, warriors, and producers.

प्लेटो का आदर्श राज्य पर दृष्टिकोण उनके काम *गणराज्य* में वर्णित है। उनके अनुसार, आदर्श राज्य वह है जहाँ न्याय स्थापित होता है और प्रत्येक वर्ग समाज की भलाई के लिए अपनी उचित भूमिका निभाता है। उनका मानना है कि राज्य को तीन वर्गों में बाँटना चाहिए: शासक, योद्धा, और उत्पादक

1. The Ruling Class (Philosopher-Kings)
Plato argues that the ruling class should be made up of philosopher-kings, wise and knowledgeable individuals who understand what is best for society. They are the ideal rulers because they are trained to understand the "Forms" or eternal truths, especially the Form of the Good. Only these rulers, who have wisdom and virtue, can ensure the state is just and well-governed.

Example: Just like a doctor, who knows what is best for a patient's health, the philosopher-king knows what is best for society.

1. शासक वर्ग (दार्शनिक-राजा)
प्लेटो का कहना है कि शासक वर्ग में दार्शनिक-राजा होने चाहिए, जो बुद्धिमान और ज्ञानी व्यक्ति हों जो समाज के लिए सर्वोत्तम जानते हों। वे आदर्श शासक हैं क्योंकि वे "स्वरूपों" या शाश्वत सत्य को समझते हैं, विशेष रूप से अच्छाई के स्वरूप को। केवल ये शासक, जो ज्ञान और सद्गुण से संपन्न होते हैं, यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राज्य न्यायपूर्ण और अच्छे तरीके से शासित हो।

उदाहरण: जैसे एक डॉक्टर को यह पता होता है कि एक रोगी के स्वास्थ्य के लिए क्या सर्वोत्तम है, वैसे ही दार्शनिक-राजा को समाज के लिए क्या सर्वोत्तम है, यह पता होता है।

2. The Warrior Class
The warriors are responsible for protecting the state. They must be brave and disciplined, but also wise enough to follow the philosopher-kings. They ensure that the state's laws and rules are enforced and that the state is protected from external threats. They should not be driven by personal desires or wealth.

Example: Like soldiers who defend a country, warriors protect the state from harm.

2. योद्धा वर्ग
योद्धाओं का काम राज्य की रक्षा करना है। उन्हें बहादुर और अनुशासित होना चाहिए, लेकिन दार्शनिक-राजाओं का पालन करने के लिए उन्हें बुद्धिमान भी होना चाहिए। वे यह सुनिश्चित करते हैं कि राज्य के कानून और नियम लागू हों और राज्य बाहरी खतरों से सुरक्षित रहे। उन्हें व्यक्तिगत इच्छाओं या संपत्ति द्वारा प्रेरित नहीं होना चाहिए।

उदाहरण: जैसे सैनिक अपने देश की रक्षा करते हैं, वैसे ही योद्धा राज्य को हानि से बचाते हैं।

3. The Producer Class
The producers are the workers, farmers, and artisans who provide the goods and services necessary for the state's survival. Plato believes that these individuals should focus on their specific tasks, as their work is essential for the proper functioning of the state.

Example: A farmer grows food, and a craftsman builds tools, both contributing to the state's prosperity.

3. उत्पादक वर्ग
उत्पादक वे लोग हैं जो श्रमिक, किसान और कारीगर होते हैं जो राज्य के अस्तित्व के लिए आवश्यक वस्तुएं और सेवाएं प्रदान करते हैं। प्लेटो का मानना है कि इन व्यक्तियों को अपनी विशिष्ट भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, क्योंकि उनका काम राज्य के सही तरीके से काम करने के लिए आवश्यक है।

उदाहरण: एक किसान भोजन उगाता है, और एक कारीगर उपकरण बनाता है, दोनों राज्य की समृद्धि में योगदान करते हैं।

Qualities of the Ruling Class
The ruling class, or philosopher-kings, must have several important qualities:

- **Wisdom**: They must understand the truth and what is best for the state.
- **Virtue**: They should be morally upright, without personal selfishness.
- **Justice**: They must work for the benefit of all, not for personal gain.
- **Knowledge**: They should have a deep understanding of the world and human nature.

Qualities of the Ruling Class
शासक वर्ग, या दार्शनिक-राजा, में कई महत्वपूर्ण गुण होने चाहिए:

- **बुद्धिमत्ता**: उन्हें सत्य और राज्य के लिए सर्वोत्तम क्या है, यह समझना चाहिए।
- **सद्गुण**: उन्हें नैतिक रूप से सही होना चाहिए, बिना किसी व्यक्तिगत स्वार्थ के।

Scholarly Minds

- **न्याय**: उन्हें सभी के लाभ के लिए काम करना चाहिए, न कि व्यक्तिगत लाभ के लिए।
- **ज्ञान**: उन्हें दुनिया और मानव स्वभाव का गहरा समझ होना चाहिए।

In summary, Plato's ideal state is one where each class performs its role, and the philosopher-king rules wisely, ensuring justice and harmony.

संक्षेप में, प्लेटो का आदर्श राज्य वह है जहां प्रत्येक वर्ग अपनी भूमिका निभाता है, और दार्शनिक-राजा बुद्धिमानी से शासन करते हैं, न्याय और सद्भाव सुनिश्चित करते हैं।

2. Discuss J.S. Mill's justification for equal rights for women.

J.S. Mill's Justification for Equal Rights for Women

John Stuart Mill, a famous philosopher, strongly advocated for equal rights for women, especially in his work *The Subjection of Women*. He believed that society would be better if women were given the same rights and opportunities as men. Mill argued that the social and legal inequalities women faced were not based on any natural difference but were the result of historical and social customs.

जॉन स्टुअर्ट मिल, एक प्रसिद्ध दार्शनिक, ने विशेष रूप से अपनी कृति *The Subjection of Women* में महिलाओं के लिए समान अधिकारों का जोरदार समर्थन किया। उनका मानना था कि अगर महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार और अवसर दिए जाएं, तो समाज बेहतर होगा। मिल ने तर्क किया कि महिलाओं द्वारा झेली गई सामाजिक और कानूनी असमानताएँ किसी प्राकृतिक अंतर पर आधारित नहीं थीं, बल्कि यह ऐतिहासिक और सामाजिक रीति-रिवाजों का परिणाम थीं।

1. Women's Capacity for Reason and Progress
Mill argued that women are just as capable of reasoning and making important decisions as men. He believed that both men and women have the ability to contribute equally to society if given the same opportunities. The belief that women were intellectually inferior to men, according to Mill, was a stereotype with no real basis.

Example: Just as men are capable of excelling in education and careers, women can also achieve greatness if allowed to do so.

1. महिलाओं की समझ और प्रगति की क्षमता
मिल ने तर्क किया कि महिलाएँ उतनी ही सक्षम हैं जितनी पुरुष, तर्क करने और महत्वपूर्ण निर्णय लेने में। उनका मानना था कि अगर महिलाओं को समान अवसर दिए जाएं, तो वे समाज में समान रूप से योगदान कर सकती हैं। मिल के अनुसार, यह विश्वास कि महिलाएँ पुरुषों से बौद्धिक रूप से हीन हैं, एक ऐसा पूर्वाग्रह था जिसका कोई वास्तविक आधार नहीं था।

Scholarly Minds

उदाहरण: जैसे पुरुष शिक्षा और करियर में उत्कृष्टता हासिल कर सकते हैं, वैसे ही महिलाएँ भी अगर उन्हें यह करने का अवसर मिले तो महानता प्राप्त कर सकती हैं।

2. The Harm of Gender Inequality
Mill also pointed out that gender inequality harms not just women but society as a whole. By restricting women's rights, society limits its potential. He argued that when half of the population is denied opportunities, the entire society loses out on their talents, contributions, and ideas.

Example: If only half of the population is allowed to work, the whole nation's growth is limited, as the talents of the other half are wasted.

2. लिंग असमानता का नुकसान
मिल ने यह भी बताया कि लिंग असमानता न केवल महिलाओं को, बल्कि समाज को भी नुकसान पहुँचाती है। महिलाओं के अधिकारों पर प्रतिबंध लगाकर समाज अपनी पूरी क्षमता को सीमित कर देता है। उनका कहना था कि जब आधी आबादी को अवसरों से वंचित किया जाता है, तो पूरा समाज उनकी प्रतिभाओं, योगदानों, और विचारों से वंचित हो जाता है।

उदाहरण: अगर केवल आधी आबादी को काम करने का अवसर मिलता है, तो पूरे राष्ट्र की प्रगति सीमित हो जाती है, क्योंकि दूसरी आधी आबादी की प्रतिभा बर्बाद हो जाती है।

3. Women's Rights as a Natural Extension of Human Rights
Mill argued that women's rights are a natural extension of basic human rights. He believed that the same principles that apply to men—such as freedom, equality, and the right to pursue happiness—should also apply to women. Denying women these rights was not just unfair; it was against the very idea of justice.

Example: Just as men have the right to vote and participate in politics, women should have the same right, as both are equally human.

3. महिलाओं के अधिकारों का मानव अधिकारों से स्वाभाविक संबंध
मिल ने तर्क किया कि महिलाओं के अधिकार मूल मानव अधिकारों का स्वाभाविक विस्तार हैं। उनका मानना था कि वही सिद्धांत जो पुरुषों पर लागू होते हैं—जैसे स्वतंत्रता, समानता, और खुशी की खोज का अधिकार—उन्हें महिलाओं पर भी लागू होना चाहिए। महिलाओं को ये अधिकार न देना न केवल अन्याय था, बल्कि यह न्याय के सिद्धांत के खिलाफ था।

उदाहरण: जैसे पुरुषों को मतदान और राजनीति में भाग लेने का अधिकार है, वैसे ही महिलाओं को भी वही अधिकार मिलना चाहिए, क्योंकि दोनों समान रूप से मानव हैं।

Conclusion
In conclusion, J.S. Mill argued that the social and legal inequality faced by women was unjust and harmful to society. He believed that granting equal rights to women would lead to a better, more prosperous society where both men and women could contribute fully.

निष्कर्ष
अंत में, जॉन स्टुअर्ट मिल ने कहा कि महिलाओं द्वारा झेली गई सामाजिक और कानूनी असमानता

Scholarly Minds

अन्यायपूर्ण और समाज के लिए हानिकारक है। उनका मानना था कि महिलाओं को समान अधिकार देने से एक बेहतर और समृद्ध समाज बनेगा, जहां पुरुष और महिलाएं दोनों पूरी तरह से योगदान दे सकें।

Scholarly Minds